ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 30-08-2024

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-08-30 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-08-31	2024-09-01	2024-09-02	2024-09-03	2024-09-04
वर्षा (मिमी)	5.0	2.0	5.0	15.0	15.0
अधिकतम तापमान(से.)	34.0	35.0	36.0	34.0	32.0
न्यूनतम तापमान(से.)	20.0	21.0	22.0	21.0	20.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	64	65	61	88	84
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	55	59	59	71	76
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	3	4	6	6
पवन दिशा (डिग्री)	140	340	320	110	140
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	4	5	7	7

मौसम सारांश / चेतावनी:

पिछले सात दिनों (23-29 अगस्त) में 65.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 29.8 से 34.0 डिग्री सेल्सियस और 23.1 से 26.8 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले हफ्ते ज्यादातर दिनों में आसमान दोपहर साफ रहा तथा रात में वर्षा हुई। सुबह की सापेक्षिक आर्द्रता 0712 बजे 78 से 96% के बीच और शाम की सापेक्षिक आर्द्रता 1412 बजे 64 से 83% के बीच रही। हवा की गति 1.1 से 10.7 किमी प्रति घंटा थी और हवा की दिशा अधिकतर उत्तर-उत्तर-पूर्व, पूर्व, दक्षिण-पूर्व, दक्षिण-दक्षिण-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पूर्व की ओर थी। आगामी पांच दिनों के पूर्वानुमान में 2-15 मिमी की हल्की वर्षा और अधिकतम और न्यूनतम तापमान 32 से 36 डिग्री सेल्सियस और 20-22 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हवा दक्षिण-पूर्व, उत्तर-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम और पूर्व-दक्षिण-पूर्व से 3-6 किमी प्रति घंटे की गति से चलने का अंदेशा है । 2 सितंबर को अधिकांश स्थानों पर, 3 सितंबर को कई स्थानों पर, 1 और 4 सितंबर को कुछ स्थानों पर और 30 से 31 अगस्त तथा 5 सितंबर को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 2 और 3 सितंबर को कुछ स्थानों पर बिजली चमकने के साथ आंधी-तूफान आने/तीव्र से बहुत तीव्र बारिश होने की संभावना है जिसके विषय में पीला अलर्ट दिया गया है ।

सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र में मौसम की स्थिति के बारे में नियमित अपडेट के लिए, किसान "मेघदूत" ऐप से अपडेट प्राप्त कर सकते हैंऔर गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ता) और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ता) पर उपलब्ध दामिनी" ऐप से बिजली की स्थिति के बारे में अपडेट प्राप्त कर सकते हैं। एनडीवीआई राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में 0.20-0.40 के बीच अच्छी कृषि शक्ति दर्शाता है। विस्तारित अवधि का पूर्वानुमान 30.08.2024 से 05.09.2024 के दौरान सामान्य वर्षा, अधिकतम तापमान तथा सामान्य से उप्पर न्यूनतम तापमान की प्रवृत्ति दर्शाता है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी ने हल्की से मध्यम वर्षा की भविष्यवाणी की है, इसलिए फसलों में उचित जल निकासी बनाए रखी जानी चाहिए और फसलों में उचित रसायनों का प्रयोग तदनुसार किया जाना चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	फसल में अब बालियां बनना शुरू हो जाएंगी तो यूरिया की टॉप ड्रेसिंग के साथ-साथ खेत में उचित सिंचाई और जल निकासी का रखरखाव करना होगा। बैक्टीरियल ब्लाइट के लक्षण जैसे पत्तियों पर पानी से लथपथ धब्बे और उनके धीरे-धीरे बढ़ने पर लंबी धारियां बन जाती हैं जो धीरे-धीरे हल्के भूरे रंग की हो जाती हैं। इस रोग को खेत में फैलने से रोकने के लिए खेत में जल जमाव की स्थिति न रखें और इसके साथ ही नाइट्रो जन का प्रयोग फिलहाल बंद कर देना चाहिए। अधिक रोग होने पर स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 15 ग्राम + कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 500 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से 1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव 7-10 दिनों के अंतराल पे करना चाहिए। तना छेदक कीट यदि ईटीएल के ऊपर उपस्थिति है तो उस पर क्लोरान्ट्रा निलीप्रोले 20 एस.सी 150 मि.ली. या फ्लूबेंडिबें यामाइड 480 एससी 75 मि.ली. या फिप्रोनिल 5 एससी 1.0 लीटर या 600 ग्राम कार्टाप हाइड्रो क्लोराइड 50 डब्लूपी या 2.5 लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ईसी प्रति हेक्टर की दर से 500-600 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। आम कीट यानी धान फुदका के प्रकोप पर किसानों को ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम 10 एससी 235 मिली/फिप्रोनिल 5 एससी 1000 मिली/बुप्रोफेज़िन 25 एससी 1 लीटर/ थियामेथोक्जाम 25 डब्लूएसजी 100 ग्राम प्रति हेक्टेयर के दर से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। छिड़काव तने के पास करना चाहिए। कम संक्रमण की स्थिति में बुप्रोफेज़िन, अधिक संक्रमण की स्थिति में ट्रा इफ्लूमेज़ोपायरिम और तना छेदक+ब्राउन प्लांट हॉपर के हमले की स्थिति में फिप्रोनिल 5 एससी का उपयोग करना चाहिए।
गन्ना	सबसे प्रचलित लाल सड़न रोग के लक्षण मानसून के मौसम के बाद प्रकट हो सकते हैं जो कटाई तक बने रहते हैं। इसके लिए किसानों को प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करना होगा और अपने खेतों को साफ रखना होगा। संक्रमित गन्नों को जड़ से उखाड़कर जला देना चाहिए । संक्रमित गन्नों को पूरी तरह नष्ट करना और उपचारित बीजों का उपयोग सर्वोत्तम निवारक उपाय हैं। आवश्यकतानुसार दो पंक्तियों के तीन डंठलों को एक साथ बांधना चाहिए (कैंची बांधनी चाहिए)। सफेद ग्रब का प्रकोप होने पर फिप्रोनिल 40 प्रतिशत और इमिडाक्लोप्रिड 40 प्रतिशत डब्लूजी 200 ग्राम प्रति एकड़ को 500 लीटर पानी में घोलकर खेत में डालना चाहिए।
मक्का	जैसे ही भुट्टों में बीज भरने लगें, आवश्यकतानुसार सिंचाई करनी चाहिए। कीट का प्रकोप होने पर उचित कृषि उपाय करना चाहिए। मैदानी क्षेत्रों में फॉल आर्मी वर्म के हमले की स्थिति में, क्लोरेंट्रा निलिप्रोल 18.5 एससी 0.4 मि.ली./लीटर पानी की दर से उपयोग करना चाहिए। मैंकोजेब या जिनेब 75 WP 1.5 -2.0 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से 750- 800 लीटर पानी में ब्लाइट (पीले या भूरे रंग का अंडा जहाज आकार के धब्बे) लगने पर छिड़काव करें । दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल पर करना चाहिए।
मूँग	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
काला चना	अंतिम माह में बोई गई फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए तथा फसल की आवश्यकता के अनुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
सोयाबीन	यदि वर्षा पर्याप्त न हो तो फूल एवं फलियाँ बनने पर आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करनी चाहिए।
मूँगफली	टिक्का रोग में पत्तियों पर हलके भूरे रंग के गोल धब्बे बन जातें है जिसके चारों ओर निचली सतह पर पीले घेरे होते है। इसके उपचार हेतु खड़ी फसल पर क्लोरोथेनोनिल 2 कि.ग्रा./ मैंकोजेब 80% 2 कि.ग्रा./ प्रोपिकोनाज़ोले 25 ई.सी. 500 मि. ली. मात्रा 800 से 1000 ली. पानी में घोलकर प्रति हैक्टर की दर से 2-3 छिड़काव 10-12 दिन के अंतराल पे करें। सभी कृषि गतिविधियाँ साफ़ मौसम की स्थिति में की जानी चाहिए ।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी की पछेती किस्मों, स्मों पत्तागोभी की किस्मों और नोल-खोल की रोपाई इस महीने में की जा सकती है और यह तब किया जाना चाहिए जब अंकुर 4-6 सप्ताह के हो जाएं या वे 4-6 पत्ती अवस्था प्राप्त कर लें।
मूली	इस महीने में मूली की यूरोपीय किस्में, एशियाई और यूरोपीय किस्मों की गाजर और चुकंदर की बुआई की जा सकती है।
मिर्च	मिर्च की फसल का ऊपरी तना सूखने पर तथा काला पड़ जाने पर फसल को बचाने के लिए संक्रमित शाखाएं तोड़ कर हटा देना चाहिए। फसल को सड़ने से बचने के लिए 0.1% कैर्बेन्डाजिम घोल का छिड़काव करें।
पपीता	पपीते में कॉलर रॉट रोग लगने पर मेटलैक्ज़िल + मैन्कोजेब (रिडोमिल गोल्ड) का 2 ग्राम/लीटर पानी की दर से प्रयोग बहुत प्रभावी पाया गया है। छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर दोहराया जा सकता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मादा बछियो का मॉ से दूध छः महीने के बाद ही छुड़वाना चाहिए, ताकि उनका शारीरिक विकास अच्छे तरीके से हो सके।
भेंस	'फूटरॉट ' रोग को रोकने के लिए, खुरों को कम से कम 3 दिनों तक सुबह और शाम के समय 2-3 मिनट के लिए 10% फॉर्मेलिन घोल या 5% नीले थोथे में डुबोया जाना चाहिए